Title : Food crisis in the far flung hilly areas of Jammu & Kashmir.

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर): मैडम, मुझे अफसोस है कि बीजेपी वालों ने मेरे सामने आडवाणी साहब को कंट्राडिक्ट किया है।

आज मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि इस समय मेरे अपने स्टेट जम्मू-कश्मीर में स्पेशली पहाड़ी एरिया की हालत यह है कि वहां लगातार तीन-चार महीने से राशन की काफी किल्लत है। मैं जब वहां गया तो हर तीसरा व्यक्ति मुझे फोन करके कहता है कि हमें राशन नहीं मिल रहा है। लोग भूखों मरने की कगार पर खड़े हैं। ...(व्यवधान) सवाल यह है कि वहां पहले अन्त्योदय अन्न योजना के तहत जो अन्न दिया जाता था, उसका रेट तकरीबन मार्केट के बराबर था, इसलिए पहले लोग अन्त्योदय अन्न योजना के तहत माल न लेकर मार्केट से लेते थे। जब से रेट कम हुआ है तब से जिन लोगों के राशन कार्ड बने हुए हैं, वे इस पर डिपैंडेंट हो गये। अन्त्योदय अन्न योजना के तहत आपने राशन का जो पैसा घटाया है, हर व्यक्ति चाहता है कि उसका अन्न लिया जाये। आज कोई भी व्यक्ति मार्केट न जाकर राशन डिपो की तरफ जा रहा है। पहाड़ी क्षेत्र जैसे इन्दरवाल, गुलाबगढ़, गूल आरनास, डुडु बसंतगढ़ का एरिया खासकर भद्रवाह, डोडा, किश्तवाड़, बनी बसोली, बिलावर आदि एरियाज की हालत काफी दुखद है। मेरी रिक्वैस्ट है कि जो लोग इस समय इस चीज के लिए तरस रहे हैं, मेहरबानी करके सरकार इंस्ट्रक्शन दे और माल की सप्लाई करके जम्मू-कश्मीर के उन पहाड़ी क्षेत्रों में लोगों को अन्त्योदय अन्न योजना के तहत राशन दिया जाये। धन्यवाद। जयहिन्द।